भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3051

जिसका उत्तर 06.08.2026 को दिया जाना है

सड़कों का उन्नयन

3051. श्री राजकुमार रोत:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बांसवाड़ा-डूंगरपुर, उदयपुर-रतलाम और निम्बाहेड़ा-दाहोद मार्गों पर बढ़ते यातायात के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है और यात्रा में अधिक समय लग रहा है;

(ख) यदि हां, तो गत पांच वर्षों के दौरान उक्त मार्गों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं, मौतों और घायलों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा इन मार्गों को चार लेन का बनाने के लिए किसी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), व्यवहार्यता अध्ययन या किसी अन्य प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है या उसे स्वीकृति प्रदान की गई है;

(घ) यदि हां, तो ऐसी परियोजना की वर्तमान स्थिति, स्वीकृति की तिथि, लागत, निर्माण एजेंसी का नाम और इसे पूरा करने की संभावित समयावधि क्या है;

(ङ) यदि नहीं, तो क्या सरकार का सड़क सुरक्षा, क्षेत्रीय संपर्क और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन मार्गों को चार लेन में उन्नयन करने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (च) राष्ट्रीय राजमार्गों के बांसवाड़ा-डूंगरपुर, उदयपुर-रतलाम और निम्बाहेड़ा-दाहोद खंडों पर दुर्घटनाओं का विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

इन खंडों की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है:

(i) बांसवाड़ा-डूंगरपुर: एनएच-927ए के इस खंड पर लगभग 6500 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) का यातायात है और हाल ही में इसे पेव्ड शोल्डर विन्यास के साथ 2 लेन में विकसित किया गया है।

(ii) उदयपुर-रतलाम: केवल बांसवाड़ा-राजस्थान/मध्य प्रदेश सीमा खंड 2-लेन/ पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन विन्यास वाला राष्ट्रीय राजमार्ग है, जिसपर लगभग 7800 पीसीयू का यातायात है और शेष खंड

राज्य की सड़कें हैं, जिनका रखरखाव संबंधित राज्यों में राजस्थान और मध्य प्रदेश की सरकारों द्वारा किया जाता है।

(iii) निम्बाहेड़ा-दाहोद एनएच-56: वर्तमान यातायात लगभग 8000 पीसीयू है। निम्बाहेड़ा से प्रतापगढ़ खंड 2 लेन विन्यास वाला है और वर्तमान में निर्माण संचालन हस्तांतरण (बीओटी) रियायत के तहत है। इस कॉरिडोर का प्रतापगढ़-पाडी-दाहोद खंड 2-लेन/ पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन विन्यास वाला है और वर्तमान में अल्पकालिक रखरखाव अनुबंधों के तहत अनुरक्षण किया जाता है।

बांसवाड़ा-रतलाम (उदयपुर-रतलाम खंड का भाग), पाडी-दाहोद और बांसवाड़ा-पाडी (निम्बाहेड़ा-दाहोद खंड का भाग) खंडों के और अधिक सुधार/उन्नयन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। कार्यान्वयन और निवेश के निर्णय डीपीआर के परिणाम, मानदंडों की पूर्ति, संपर्कता की आवश्यकता, यातायात सघनता और पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के साथ तालमेल के आधार पर लिए जाते हैं।

"सड़कों का उन्नयन" के संबंध में श्री राजकुमार रोत द्वारा पूछे गए दिनांक 06 अगस्त, 2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3051 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विगत पांच वर्षों के दौरान एनएच खंडों पर हुए दुर्घटनाओं का जिला-वार, वर्ष-वार विवरण:

क्र.सं.	**जिला**	**वर्ष**	**घातक दुर्घटनाओं की सं.**	**अघातक दुर्घटनाएँ**	**कुल**
1	डूंगरपुर एनएच-927ए	2021	2	2	4
2		2022	1	3	4
3		2023	11	14	25
4		2024	12	18	30
5		2025	9	16	25
		कुल	**35**	**53**	**88**
1	बांसवाड़ा एनएच-927ए और एनएच-56	2021	13	16	29
2		2022	10	11	21
3		2023	11	8	19
4		2024	9	8	17
5		2025	17	11	28
		कुल	**60**	**54**	**114**
1	प्रतापगढ़ एनएच-56	2021	9	16	25
2		2022	19	31	50
3		2023	27	22	49
4		2024	27	22	49
5		2025	19	31	50
		कुल	**101**	**122**	**223**
1	चित्तौड़गढ़ एनएच-56	2021	6	3	9
2		2022	2	6	8
3		2023	5	5	10
4		2024	11	4	15
5		2025	4	2	6
		कुल	**28**	**20**	**48**

*****